संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-250 गुरूवार,11 जुलाई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# खुला पत्र...बताईए मुख्यमंत्री जी

## कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

### क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?
घटती-घटना अखबार में स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री संजय मरकाम व उनके भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की कमियों की छप रही खबर को रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त सहसंचालक आइपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव को किया आगे?

# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

## तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

?

कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024


संपादकीय

# चाचा हैं स्वास्थ्य मंत्री...इसलिए प्रभारी डीपीएम की पत्नी... भवन में कब्जा कर संचालित कर रहीं हैं नर्सिंग कॉलेज?

- अपने भवन को खाली कराने मालिक को लेना पड़ा न्यायालय का सहारा...
- ना पटा रहीं किराया...और ना ही कर रहीं भवन खाली...इतनी दादागिरी आखिर किसके बल पर...?
- नियम विरूद्ध संचालित नर्सिंग कॉलेज पर कार्यवाही करे कौन...कलेक्टर हैं प्रभारी डीपीएम के करीबी और चाचा स्वास्थ्य मंत्री....
- स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम के विरूद्ध हुई शिकायत पर नहीं होगी जांच...लेकिन प्रभारी डीपीएम की शिकायत पर होगी जांच...और कार्यवाही क्योंकि चाचा है मंत्री...?
- क्या सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम के सामने मंत्री विधायक से लेकर पूरा विभाग है नतमस्तक...खुद दावा करता-फिरता है प्रभारी डीपीएम...?
- घटती-घटना समाचार-पत्र को दबाने का पुरजोर प्रयास स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा अभी भी है जारी...

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर,गुरूवार 14 मार्च 2024 | 5

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है?

क्या नियम विरुद्ध तरीके से संचालित हो रहा है न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग? कार्यवाही के लिए जांच प्रतिवेदन भेजा गया संचालनालय

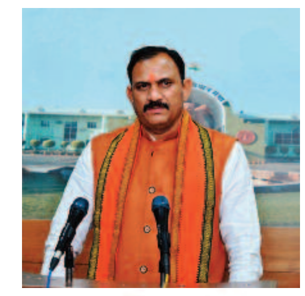

घटती घटना | -कोरबा-कोरिया-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,बुधवार 20 मार्च 2024 | 6

पूर्व प्रभारी डीपीएम अपने खिलाफ हो रही जांच में पाए जाएंगे पाक-साफ, क्योंकि घंटों जांच अधिकारी के साथ बैठकर जांच को अपने पक्ष में कराने में है जुटे:सूत्र

क्या डॉ.प्रिंस जायसवाल सलाहकार रहेंगे कोरिया के और प्रभारी डीपीएम रहेंगे सूरजपुर के?

» कोरिया में तो सकारात्मक कार्य नहीं दिखा अब क्या सूरजपुर में सकारात्मक कार्य दिखेगा?
» क्या बसदेई जवाहर नवोदय विद्यालय ने ऐसी शिक्षा दी प्रिंस जायसवाल ?

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 02 फरवरी 2024 | 5

क्या स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम प्रिंस जायसवाल के सामने प्रशासन व मंत्री सब नतमस्तक?

-रवि सिंह-

अम्बिकापुर,10 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र द्वारा प्रदेश भर में वेंटिलेटर पर पहुंच चुकी स्वास्थ्य सुविधा एवं इस विभाग के मंत्री के साथ चल रहे विवादित अफसर और स्टॉफ के बारे में लगातार खबर का प्रकाशन किया जा रहा था। खबर से तिलमिलाए स्वास्थ्य मंत्री ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज दबाने का नया पैतरा अपना लिया। उन्होंने निचले स्तर की राजनीति करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा घटती-घटना को दिए जाने वाले शासकीय विज्ञापन पर ही रोक लगा दिया जिसके बाद से अखबार...मंत्री से यह पूछना चाहता है...कि उसे क्या प्रकाशन करना है...आप खुद ही बतलायें... हालांकि मंत्री अभी तक यह नहीं बतला पा रहे हैं कि अखबार को क्या प्रकाशन करना चाहिए...और हम तब तक उनसे सवाल करेंगे ...जब तक वे प्रकाशित किये जाने वाले खबरों का चिन्हांकन नही कर लेते। अब सवाल उठता है...कि क्या मंत्री ने अपने रिश्तेदारों को हर गलत कार्य करने का खुला छूट दे रखा है उनके तथाकथित भतीजे जो कि कांग्रेस सरकार में खुद को कांग्रेसी बतलाते फिरते थे,अब भाजपा की सरकार आ गई और चाचा स्वास्थ्य विभाग के ही मुखिया बन गए तो फिर प्रभारी डीपीएम भतीजा, तो मानो सत्ता के नशे में चूर ही हो गया। आज प्रभारी डीपीएम भतीजा प्रिंस जायसवाल भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने के लिए तरह-तरह की शिकायतें चाचा की शह पर करते फिर रहा है। उसकी कोशिश है कि घटती-घटना अखबार पूरी तरह से नेस्तनाबूद हो जाए लेकिन भतीजे को इसके लिए अभी यह संभव नहीं है। आगे चलते हैं और बतलाते हैं आखिर किस प्रकार प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को अपना चाचा बतलाकर विभागीय अधिकारियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाने वाले सूरजपुर जिला के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की पत्नी द्वारा बैकुंठपुर में एक निजी भवन में किस प्रकार अवैध रूप से नर्सिंग कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। आरोप है कि प्रभारी डीपीएम की पत्नी द्वारा बैकुंठपुर शहर में नर्सिंग कॉलेज का संचालन किया जा रहा है वह भी नियम विरूद्ध है...संचालक द्वारा खुलेआम दादागिरी की जा रही है, भवन मालिक भवन खाली कराने के लिए कई बार बोल चुके हैं,भवन का किराया भी नहीं दिया जा रहा है इससे विवश होकर भवन मालिक ने अब न्यायालय का सहारा लिया है जैसा सूत्रों का कहना है।

### कमियां मिली लेकिन कार्यवाही शून्य

बैकुंठपुर के निजी भवन में संचालित नर्सिंग कॉलेज में समस्याओं का अंबार है।शिकायत हुई...जांच भी हुई ...कमियां पाई गई लेकिन कार्यवाही आज तक शून्य है। बतलाया जाता है कि चूंकि कॉलेज संचालक के चाचा ससुर ही विभाग के मंत्री हैं इसलिए कार्यवाही करना तो दूर उस दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है।

### प्रभारी डीपीएम की शिकायत...फिर भी मिला तोहफा

वर्तमान में सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम पूर्व में कोरिया जिले में कार्यरत थे, जिन्होंने स्वास्थ्य विभाग को तरीके से बर्बाद कर रखा था। उनकी कारस्तानी से पूरा विभाग त्रस्त था...शिकायत भी हुई कई बार ...लेकिन चूंकि चाचा मंत्री हैं और कोरिया कलेक्टर उनके करीबी ...इसलिए यहां भी कार्यवाही नहीं हुई। अब उसी का फायदा उठाकर प्रभारी डीपीएम द्वारा दूसरे जिले में भी अपना पांव पसारा जा रहा है। यहां इतनी शिकायत थी कि कार्यवाही करने के बजाए उल्टे चाचा ने उन्हें तोहफा देकर सूरजपुर का प्रभारी डीपीएम बना दिया। हालांकि अभी सत्ता का नशा है...पद का घमंड है ...लेकिन सवाल उठता है कि आखिर कब तक।

### विवाद से पुराना नाता है प्रभारी डीपीएम का

प्रभारी डीपीएम द्वारा अपनी पत्नी के नाम पर नर्सिंग कॉलेज का संचालन अब दादागिरी के साथ स्वास्थ्य मंत्री चाचा की शह पर किया जा रहा है,भवन मालिक के ना चाहने पर भी वह अवैध रूप से कब्जा कर बिना किराया पटाये कॉलेज का संचालन कर रहे हैं,जब कभी भी खबर का प्रकाशन किया गया तो आवाज दबाने उल्टा मनगढंत आरोप लगाकर दबाने की कोशिश की गई लेकिन लोकतंत्र की चौथी आवाज को दबाना असान नहीं है...प्रभारी डीपीएम को यह मालूम होना चाहिए। हालांकि प्रभारी डीपीएम और विवाद एक सिक्के के दो पहलू हैं विवादों में रहना उनकी आदत...और जिस थाली में खाए उसी में छेद करना उनकी फितरत। चूंकि चाचा स्वास्थ्य मंत्री हैं इसलिए अब प्रभारी डीपीएम को उनके द्वारा पूरा संरक्षण देकर दादागिरी कराई जा रही है जो कि सर्वथा गलत है। आम जन और हमारे पाठकों की नजर इस कलम बंद पर बनी हुई है और आने वाले समय पर इसका जवाब आपको खुद मिलेगा क्योंकि सत्ता और पद स्थायी नहीं है माननीय मंत्री जी।

घटती घटना | कोरिया-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 02 मार्च 2024 | 6

राज्य सरकार ने जारी नहीं किया था डीपीएम का आदेश...कांग्रेस सरकार के आदेश का क्या हुआ?

राज्य सरकार ने जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) के पद को विलोपित कर कैसे बना दिया डीपीएम ?

घटती घटना | अम्बिकापुर,मंगलवार 12 मार्च 2024 | 5

क्या खबर से तत्कालीन प्रभारी डीपीएम कोरिया व उनकी पत्नी के नर्सिंग इंस्टीट्यूट की छवि हुई खराब या पहले से ही इनकी छवि थी खराब?

घटती घटना

कब तक चलता रहेगा कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग प्रभारी सीएमएचओ और प्रभारी डीपीएम के भरोसे?

घटती घटना

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

**घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...**

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

## खुला पत्र

# क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,10 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार  से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

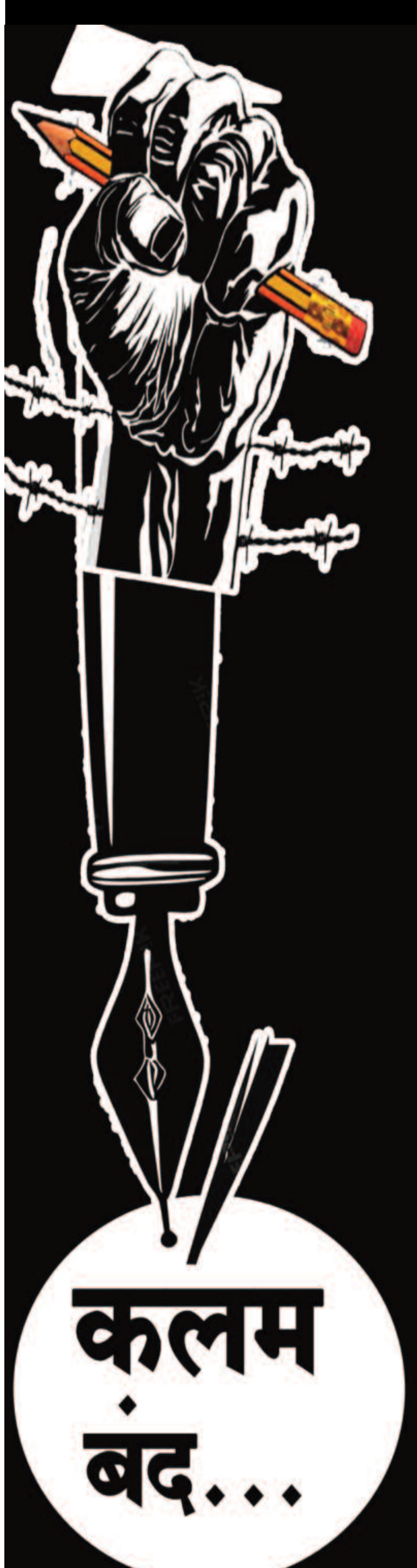


कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

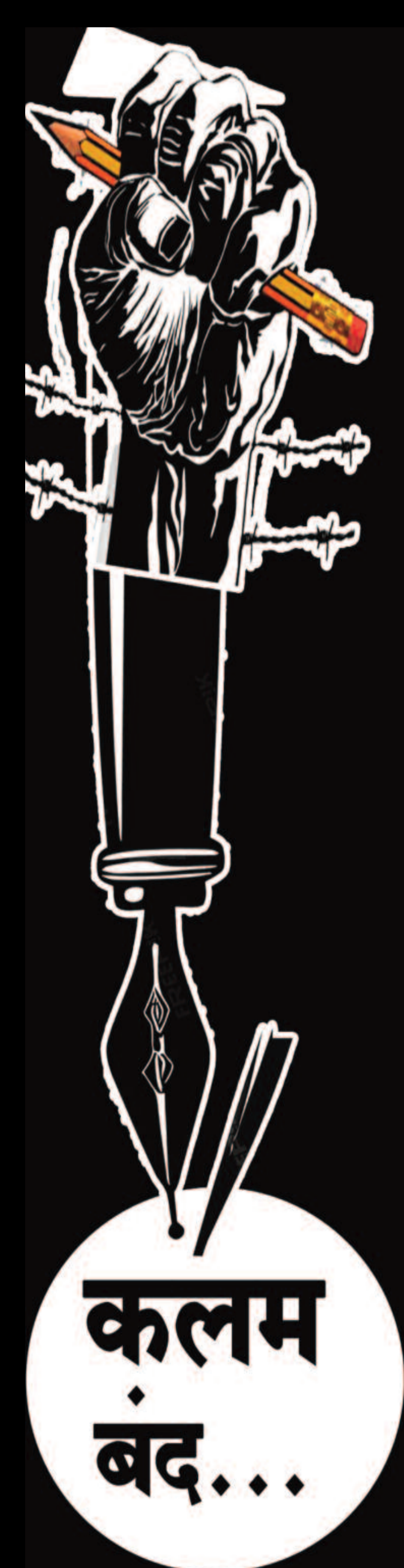


घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों  को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

## खुला पत्र

# देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

**अम्बिकापुर,10 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?**

# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

# भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,10 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

?

कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

कलम बंद...का ग्यारहवां दिन

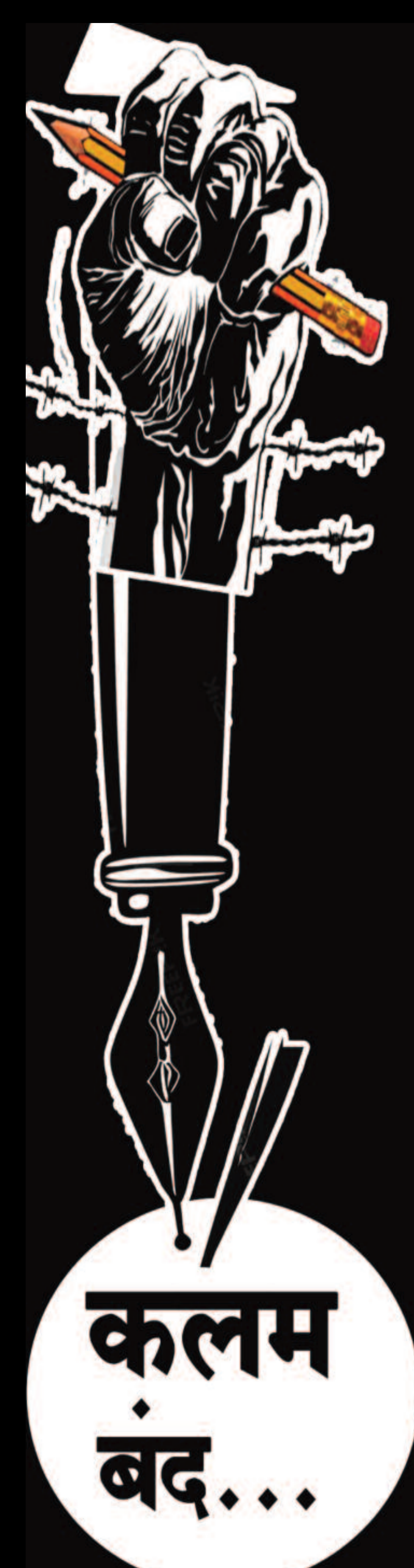


घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

# क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

- भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
- कमी दिखाओ तो दिक्कत...
- जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,10 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

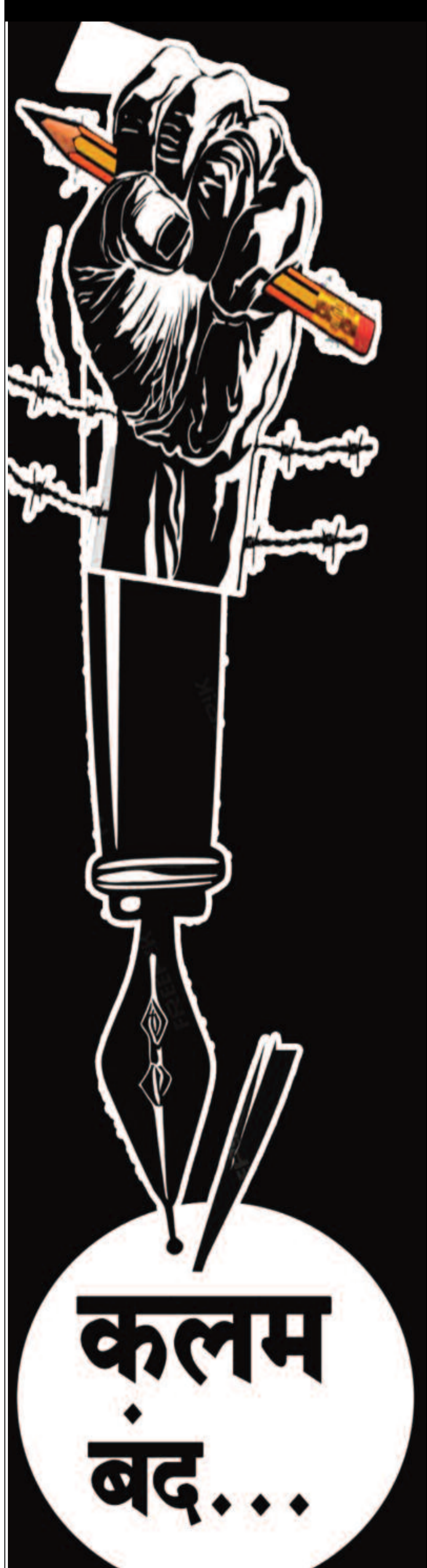

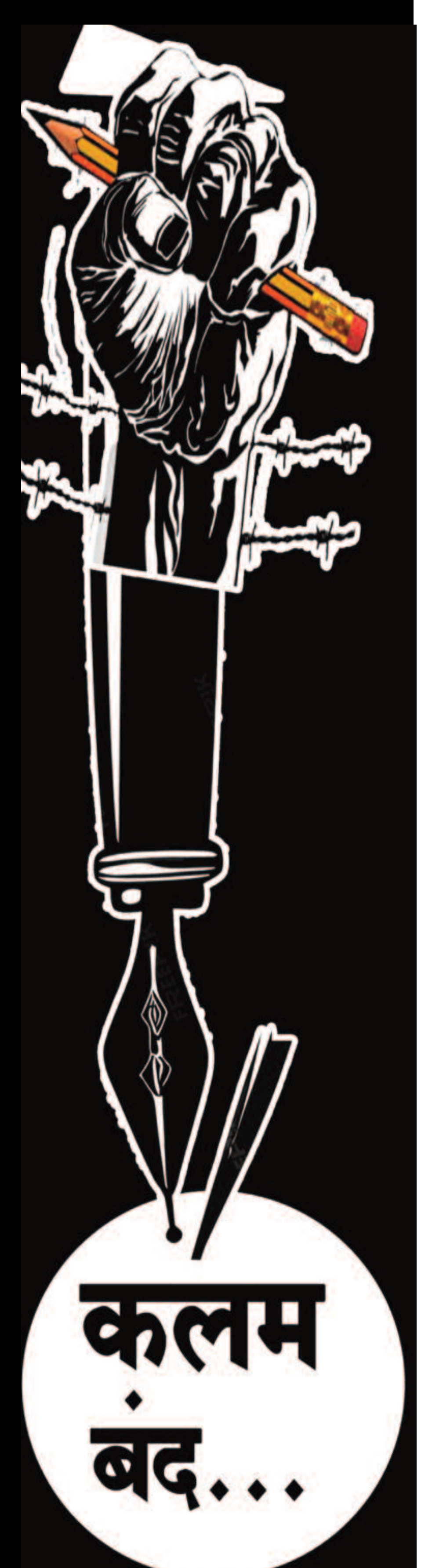


घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

## संक्षिप्त खेल समाचार

# लियोनेल मेसी ने दागा 109 वां गोल

### » कोपा अमेरिका के फाइनल में पहुंचा अर्जेंटीना

**पुर्तगाल, 10 जुलाई 2024।** लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज़ ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की। मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैंजो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। अर्जेंटीना रविवार को होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

## अभिषेक नायर भी हो सकते हैं टीम इंडिया में शामिल

### टी दिलीप को फिर से फील्डिंग की जिम्मेदारी

**नई दिल्ली, 10 जुलाई 2024।** टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर बने हैं जिसके बाद कोचिंग स्टाफ के बाकी पदों के लिए खोज भी तेज हो गई है। वहीं बीसीसीआई को अब बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग कोच की खोज है। लेकिन क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने सहायक कोच का चयन कर दिया है। केकेआर नाइट राइडर्स के सहायक कोच अभिषेक नायर भारतीय टीम के नए सहायक कोच बनने वाले हैं। जबकि पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रह सकते हैं।

# रुतुराज गायकवाड़ का बड़ा धमाका

### » रुतुराज गायकवाड़ का टॉप 10 में धमाकेदार एंट्री,
### » सूर्यकुमार यादव फिर रह गए पीछे

**नई दिल्ली, 10 जुलाई 2024।** आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी की गई है। इस बार की रैंकिंग में टीम इंडिया के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड ने कमाल किया है। उन्होंने एक ही झटके में टॉप 10 में धमाकेदार एंट्री कर ली है। हालांकि भारत के ही सूर्यकुमार यादव फिर पीछे रह गए हैं। वे नंबर वन की कुर्सी पर कब्जा करने में कामयाब नहीं हो पाए हैं।

### ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड फिर आईसीसी टी 20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज

टी 20 की जो नई रैंकिंग आईसीसी की ओर से जारी की गई है, उसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड नंबर एक की कुर्सी पर बने हुए हैं। ट्रेविस हेड की रेटिंग इस वक्त 844 की है। वहीं बात अगर सूर्यकुमार यादव की करें तो वे नंबर दो पर हैं। सूर्यकुमार की रेटिंग 821 की हो गई है। जो पिछले सप्ताह की तुलना में कम हुई है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से अब तक भारत दो मुकाबले खेल चुका है, लेकिन सूर्या को इस टीम में मौका नहीं दिया गया है, वे रेस्ट पर हैं। यानी पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच अंतर अब काफी ज्यादा हो गया है।

### लिस्ट में ज्यादा बदलाव नहीं

टॉप 2 बल्लेबाजों के बाद की बात की जाए तो इंग्लैंड के फिल साल्ट 797 की रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 755 की रेटिंग के साथ नंबर 4 और मोहम्मद रिजवान 746 की

रेटिंग के साथ नंबर 5 पर पहले की ही तरह से हैं। यानी पहले 5 बल्लेबाजों की रेटिंग में तो हल्का सा बदलाव हुआ है, लेकिन रैंकिंग पिछले सप्ताह की तरह ही है।

### रुतुराज गायकवाड को एक साथ 13 स्थानों का फायदा

इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर भी पहले की ही तरह नंबर 6 पर हैं। उनकी रेटिंग 216 की है। इस बीच रुतुराज गायकवाड ने कमाल किया है। उन्होंने एक साथ 13 स्थानों की छलांग मारी है। वे अब सीधे नंबर सात पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग भी बढ़कर 662 की हो गई है। हालांकि इससे आगे जाने के लिए उन्हें कुछ और बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

### यशस्वी जायसवाल को हुआ नुकसान

वेस्टइंडीज के ब्रेंडन किंग 656 की रेटिंग के साथ नंबर 8 और जॉनसन चार्ल्स 655 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर बने हुए हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मारक्रम 646 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर हैं। इस बीच बड़ी बात ये है कि भारत के यशस्वी जायसवाल टॉप 10 से बाहर होते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी रेटिंग तो मारक्रम के बराबर यानी 646 की है। लेकिन वे नंबर 11 पर हैं। उन्हें एक साथ तीन स्थानों का नुकसान हुआ है। उन्होंने भी पिछले काफी वक्त से भारत के लिए कोई भी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। अब अगर उन्हें मौका मिलता है तो वे टॉप 10 में वापसी कर सकते हैं।

# पाकिस्तान क्रिकेट में भयंकर बदलाव

### » पीसीबी ने दो दिग्गजों की कर दी छुट्टी...

**करांची, 10 जुलाई 2024।** पाकिस्तान क्रिकेट इस वक्त फिर के बदलाव के दौर से गुजर रहा है। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम से मिली हार और सुपर 8 में भी एंट्री ना कर पाने के बाद इस तरह के परिवर्तन की संभावना पहले ही जताई जा रही थी। जो अब शुरू भी हो गई है। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से पता चला है कि पीसीबी ने बड़ा फैसला लेते हुए पाकिस्तान क्रिकेट टीम के दो सेलेक्टर्स को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि अभी तक पीसीबी ने इसको लेकर आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि इस सप्ताह के अंत तक ये भी हो जाएगा। कहा तो ये भी जा रहा है कि कुछ और भी बदलाव आने वाले वक्त में भी देखने के लिए मिल सकते हैं।

### वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक की सेलेक्शन कमेटी से छुट्टी

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सेलेक्टर के रूप में वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त कर दिया गया है। अब्दुल रज्जाक को कुछ सप्ताह पहले ही पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए चयन समिति में नियुक्त किया गया था, अब महिला टीम के लिए भी चयनकर्ता के रूप में काम नहीं करेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट में बताया गया है कि सेलेक्शन कमेटी फिर से नए सिरे से बनाए जाने की संभावना है। अभी तक पीसीबी ने सेलेक्शन कमेटी में चीफ सेलेक्टर का पद ही खत्म कर दिया था, जो अब फिर से बनाए जाने की बात सामने आ रही है। इतना ही नहीं, बताया तो ये भी जा रहा है कि सेलेक्शन कमेटी में सदस्यों की संख्या भी कम करने पर विचार किया जा रहा है।

### लगातार बदल रहे हैं पाकिस्तान के सेलेक्टर्स

पीसीबी चीफ ये दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया तो किसी भी भी कुर्सी पर खतरा आ सकता है, कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस न करे। पिछले चार साल में पीसीबी ने छह चीफ सेलेक्टर्स को देखा है। इसमें वहाब रियाज, हारून राशिद, शाहिद अफरीदी, इंजमाम-उल-हक, मोहम्मद वसीम और मिस्बाह-उल-हक शामिल हैं, हालांकि कोई भी इस पद पर लंबे वक्त तक नहीं रह सका और समय समय पर इनकी छुट्टी होती रही।

# अग्निपरीक्षा से गुजरेगा गौतम गंभीर का कार्यकाल

### » 5 आईसीसी टूर्नामेंट्स की मिलेगी चुनौती...

**नई दिल्ली, 10 जुलाई 2024।** भारत इस समय जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहा है। इसके बाद भारत का अगला दौरा श्रीलंका का है, जहां भारत श्रीलंका के खिलाफ 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलेगा। यहीं से टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल शुरू होगा. जो साल 2027 तक चलेगा.। उनके कार्यकाल के दौरान भारत पांच आईसीसी ट्रॉफी में हिस्सा लेगा,जो गौतम गंभीर के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम साबित नहीं होने वाला है।

### क्या है गौतम गंभीर की चुनौती ?

टी 20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद गौतम गंभीर के सामने नई युवा टीम इंडिया तैयार करने की चुनौती होगी। कई सीनियर खिलाड़ी क्रिकेट के कुछ फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। जिसके बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन के लिए नई रणनीति बनानी होगी, ताकि भारत अपकमिंग आईसीसी ट्रॉफी में जीत के लिए पूरी तरह तैयार रहे।

### 2025 से 2027 तक हैं 5 आईसीसी ट्रॉफी

**आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 :** गौतम गंभीर की अगुआई में भारतीय टीम का पहला आईसीसी इवेंट 2025 चैंपियंस ट्रॉफी होगा, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान करने जा रहा है।

**वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2025 :** भारत 2021 और 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हार गया था. भारत के जून 2025 में लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना है और गंभीर के सामने देश को उसका पहला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खिताब दिलाने की बड़ी चुनौती होगी।

**टी 20 वर्ल्ड कप 2026 :** श्रीलंका आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा, जबकि भारत इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में भारत लगभग दो दशकों में पहली बार रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना किसी बड़े इवेंट में खेलेगा। घरेलू धरती पर खिताब बचाने वाली एक युवा टीम के साथ, यह टूर्नामेंट गौतम गंभीर के कार्यकाल में एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है।

**आईसीसी वर्ल्ड कप 2027:** आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में खिताब जीतने से चूकने के बाद गौतम गंभीर 16 साल बाद ट्रॉफी को देश में वापस लाने की कोशिश करेंगे। आईसीसी वर्ल्ड कप 2027: की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। यह टूर्नामेंट निश्चित रूप से यह निर्धारित कर सकता है कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद गंभीर को कोच के रूप में किस तरह देखा जाएगा।

**वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2027:** गौतम गंभीर इस टूर्नामेंट में भारत के लिए ट्रॉफी जीतना चाहेंगे। गौतम गंभीर यह भी चाहेंगे कि इस टूर्नामेंट को जीतकर भारत आईसीसी के सभी टूर्नामेंटों में अपना दबदबा बनाए।


**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,**

रा.प्र.क्र./अ- 20(3) /2023-24

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सावित्री अग्रवाल पत्नि ऋषि अग्रवाल , जाति अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट नवापारा अबिकापुर तहसील अंबिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला नवापारा नगर अंबिकापुर शीट नंबर -1 स्थित नजूल प्लाट नंबर 3/105 रकबा 0.04 1/2 एकड भूमि एवं निर्मित मकान/दुकान को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईदावा-आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर



**न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)**

रा.प्र.क्र.202404021700003/ अ-21/2023-24

**ईश्तहार**

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मल हलदार आ0 ज्योतिष हलदार निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नं0 56/1रकबा 0.610 हे0 में से रकबा 0.040 हे0 (10 डिसमिल) भूमि आवेदक को अपने पिता के ईलाज हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका राजकुमारी साहू आ0 श्यामलाल साहू निवासी संरगवा तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) को 3,90,000/- (तीन लाख नब्बे हजार रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष, प्रस्तुत किया गया हैं। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ हैं। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/08/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2

# भूत ट्रेलरः बॉलीवुड की हॉरर मूवी को टक्कर देती ये भोजपुरी फिल्म

भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए रोमांच और डर से भरी एक नई फिल्म भूत का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म का ट्रेलर देखकर लोगों को बॉलीवुड की फेमस हॉरर मूवी राज की याद आ गई। इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से आउट भूत का ट्रेलर अपने डरावने सीन्स और रोमांचक कहानी के साथ दर्शकों में उत्सुकता जगा रहा है। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफ़ताब, विनय सिंह, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह हैं, जबकि लेखक और निर्देशक अवधेश मिश्रा वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म भूत का ट्रेलर 3 मिनट 22 सेकेंड का है। ट्रेलर कमजोर दिल वाले बिल्कुल भी ना देखें, क्योंकि ये बहुत ही डरावना है। फिल्म जब रिलीज होगी, तब यह फिल्म दर्शकों को डर की एक नई परिभाषा गढ़ कर देगी। ट्रेलर में इस्तेमाल किए गए व्हीएफएक्स और साउंड इफेक्ट्स ने डर का माहौल बेहद प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। वहीं, कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से इसे और भी डरावना बना दिया है। फिल्म की कहानी में कई ट्विस्ट और टर्न्स हैं, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेंगे।

### जल्द ही रिलीज होगी फिल्म, विक्रांत सिंह राजपूत का अलग अंदाज

फिल्म निर्माता प्रदीप सिंह ने बताया, भूत को जल्द ही रिलीज किया जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है और दर्शकों को कितना डराने में सफल होती है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमने एक दिलचस्प और लीक से हटकर फिल्म बनाई है और इसमें अवधेश मिश्रा का योगदान सराहनीय है, जिन्होंने लेखन, निर्देशन से लेकर एक्टिंग तक की है। ऋतु सिंह ने इस फिल्म में एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है,जो दर्शकों को खासा प्रभावित करेगा। विक्रांत सिंह राजपूत इस फिल्म में अपने अलग अंदाज में नजर आएंगे, जो दर्शकों के लिए एक खास आकर्षण होगा।

### भूत फिल्म की स्टार कास्ट

आपको बता दें कि फिल्म भूत में विक्रांत सिंह राजपूत, रितु सिंह, श्रुति राव,राधा सिंह, अवधेश मिश्रा, अनीता रावत, महेश आचार्य, रोहित सिंह मटरू, केके गोस्वामी, बालेश्वर सिंह, हीरा यादव मुख्य भूमिका में हैं। संगीतकार अमन श्लोक और गीतकार साहिल सुल्तानपुरी व शेखर मधुर है। छायांकन जगमिंदर सिंह हुंदल हैं। संकलन संतोष हरावड़े हैं। नृत्य महेश आचार्य, कला रणधीर एन. दास, मारधाड़ हीरा यादव, वेशभूषा विद्या-विष्णु और पीआरओ रंजन सिन्हा हैं।

# जायद खान के बेटे ने पहनी पापा की मैं हूं ना वाली वो काली जैकेट

### जिदान की पर्सनैलिटी देख फिदा हुए फैन्स

शाहरुख खान की फिल्म मैं हूं ना के एक्टर जायद खान ने अपने बर्थडे पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में जायद का बेटा जिदान नजर आ रहा है। मजेदार ये है कि जिदान पापा की वही जैकेट पहनकर पोज मार रहा है जो उस फिल्म में जायद ने पहना था। जिदान जैक्ट में पोज देते दिख रहे हैं और पीछे चले जैसे हवाएं गाना चल रहा है।

फिल्म मैं हूं ना में शाहरुख खान के छोटे भाई लक्ष्मण बने एक्टर जायद खान आज अपना 42वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी पुरानी यादों को फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंनेअपने बड़े बेटे जिदान का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके बेटे यहां उसी जैकेट में हैं जो उन्होंने मैं हूं ना में पहनी थी।

### जिदान की पर्सनैलिटी की जमकर हो रही तारीफ

इस वीडियो को देखकर आम पब्लिक के साथ-साथ कुछ सिलेब्रिटीज़ ने भी रिएक्ट किए हैं। लोगों ने जायद खान के बेटे जिदान की पर्सनैलिटी की जमकर तारीफ की है। वहीं काफी लोगों ने कहा है कि वह बिल्कुल पापा की तरह दिख रहे हैं।

### जैकेट को लेकर जायद ने कही ये बात

जायद खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हलो वर्ल्ड समय के पास कम्यूनिकेट करने का एक अजीब तरीका है! मुझे मेरी (चले जैसे हवाएं) जैकेट मिल गई और अपने बेटे ज़िदान को इसे मज़े के लिए पहना दिया! देखो पुरानी यादें ने मुझे हैरान कर दिया। तो ये रहा सभी के लिए मैं हूं ना की ओर से मेरी ओजी जैकेट एमएचएन के लिए मेरे शुरुआती सीक्वेंस के लिए! हमेशा प्यार और आभार!

### लोगों ने कहा-जिदान इसमें सूपर कूल लग रहे हैं

इस वीडियो पर जायद खान के बेटे की पर्सनैलिटी की लोग जी भरकर तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा - जिदान इसमें सूपर कूल लग रहे हैं। वहीं एक और यूजर ने लिखा- बेटा पापा की तरह ही हैंडसम दिख रहा हैं। काफी लोगों ने यही कहा कि उनका बेटा ठीक उनकी तरह दिखता है।

### जायद खान की फिल्में

जायद के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2003 में चुरा लिया है तुमने से डेब्यू किया था। इसके बाद वह कैश, दस, लव ब्रेकअप्स जिंदगी, युवराज जैसी फिल्मों में काम करते दिखे।

# अजय देवगन के साथ उलझ के लिए तैयार जाह्नवी कपूर

### नई फिल्म के लेटेस्ट पोस्टर रिलीज, लुक ने मचाया तहलका

जाह्नवी कपूरबी टाउन की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस मानी जाती हैं। कम समय में उन्होंने लुक्स और एक्टिंग से लोगों के दिलों में अपने लिए जगह बनाई है। खुद को ग्लैमरस और फैशन से अपडेट रखने वालीं जाह्नवी ने कुछ ऐसी फिल्में की हैं जो लीक से हटकर हुई हों। उनकी अपकमिंग फिल्म में उलझ शामिल है जिसके नए पोस्टर रिलीज हो चुके हैं। इस साल मिस्टर एंड मिसेज माही के बाद जाह्नवी कपूर उलझ में यंग डिप्लोमैट के रोल में नजर आएंगी। वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म से धमाका करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का टीजर कुछ महीने पहले रिलीज किया गया था, जिसे देख फैंस ने एक्ट्रेस की तारीफ की थी। अब मूवी के नए पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसमें जाह्नवी का लुक देखने लायक है।

### उलझ के पोस्टर आए सामने

उलझ अजय देवगन की औरों में कहां दम था के साथ रिलीज होगी। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर आईएफएस सुहाना के किरदार में होंगी। अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने के लिए जानी जाने वालीं जाह्नवी उलझ में बिलकुल नए और हटके किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के जो नए पोस्टर सामने आए हैं, उनमें जाह्नवी सीरियस और इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

### आईएफएस अधिकारी के रोल में जाह्नवी कपूर

पोस्टर में जाह्नवी एक फाइल पकड़े नजर आ रही हैं, जिसमें लिखा है कॉन्फिडेंशियल। वहीं, एक अन्य तस्वीर में उनके साथ गुलशन देवैया, रोशन मेथ्यू, राजेश तैलंग और मेयांग चांग नजर आ रहे हैं। ये इंटेंस ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें जाह्नवी का रोल उस महिला का होगा, जो देशभक्तों के परिवार से ताल्लुक रखती है। वो अपने होम टाउन से दूर एक खतरनाक और व्यक्तिगत साजिश में उलझ जाती है।

### औरों में कहां दम था से होगा क्लैश

सुधांशु सरिया के डायरेक्शन में बनी उलझ की बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की फिल्म औरों में कहा दम था से होगी। यानी ये मूवी 2 अगस्त को रिलीज हो रही है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
राजधानी समाचार
अम्बिकापुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024


## खुला पत्र

# स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के विरुद्ध हुई शिकायत पर नहीं होगी जांच वहीं इनकी शिकायत पर किसी पर भी हो जाएगी कार्यवाही ?

- » क्या प्रभारी डीपीएम सूरजपुर...इतने शक्तिशाली हैं...कि उनके विरुद्ध कोई नहीं कर सकता कार्यवाही...?
- » क्या सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम के सामने...मंत्री विधायक से लेकर पूरा सचिवालय है नतमस्तक...?
- » प्रभारी डीपीएम के पीछे कौन सी शक्ति काम कर रही है...जो दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र को दबाने का पुरजोर प्रयास कर रहा है वह...?
- » छत्तीसगढ़ के सरल मुख्यमंत्री को भी गुमराह किया जा रहा है?

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर, 10 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश के केवल दो लोगों के होकर रह गए हैं प्रदेश के... यह कहना कहीं से गलत नहीं होगा...वहीं प्रदेश की पूरी सरकार केवल स्वास्थ्य मंत्री के एक भतीजे और उनके एक विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को बचाने के लिए बदनाम होने को भी तैयार है? प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को भी हाशिए पर डालने को तैयार है। यह कहना अब गलत नहीं होगा क्योंकि ऐसा होता नजर आ रहा है और लगातार स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार करने वाले स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे को लेकर छपने वाली खबरों के कारण समाचार-पत्र पर ही कार्यवाही करने स्वास्थ्य मंत्री कमर कस चुके हैं, वहीं वह इसके लिए प्रदेश के सीधे-सरल मुख्यमंत्री को भी दिग्भ्रमित कर रहे हैं जबकि मामला भ्रष्टाचार का है,और जिसको लेकर मुख्यमंत्री किसी भी तरह की मुरव्वत की बात से मना करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को लेकर भी वही स्थिति है। समाचार-पत्र ने केवल यह विषय सामने लाया कि विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है और जिसकी जांच की जाए तो उनकी राज्य प्रशासनिक सेवा की नौकरी ही चली जायेगी और उसके बाद से ही स्वास्थ्य मंत्री नाराज हैं,और भतीजे और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के मामले में वह समाचार-पत्र के ही विरुद्ध खड़े हो गए हैं,और अब वह समाचार-पत्र को ही बंद कराने का विचार कर चुके हैं जिसकी शुरुआत उन्होंने समाचार-पत्र के विज्ञापन को रुकवा कर कर दिया है।

### स्वास्थ्य मंत्री का समाचार-पत्र दैनिक घटती-घटना से कोई बैर नहीं...दैनिक घटती-घटना ने समाचारों से कभी कोई समझौता नहीं किया यह भी स्वास्थ्य मंत्री अच्छे से जानते है...

वैसे स्वास्थ्य मंत्री का समाचार-पत्र दैनिक घटती-घटना से कोई बैर नहीं रहा है। वहीं दैनिक घटती-घटना ने समाचारों से कभी कोई समझौता नहीं किया। यह भी स्वास्थ्य मंत्री अच्छे से तब से जानते हैं,जब वह विपक्ष में थे और उनकी खबरें समाचार-पत्र प्रकाशित करता था लेकिन सत्ता में वापसी करते और मंत्री पद मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री इसलिए दैनिक घटती-घटना के विरुद्ध हो गए क्योंकि समाचार-पत्र ने उनके भतीजे प्रभारी डीपीएम पहले कोरिया अब सूरजपुर के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम शुरू किया। वहीं मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के दिव्यांग प्रमाण-पत्र के फर्जी होने को लेकर सवाल खड़े किए। बताया जाता है की स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बनकर पहले कोरिया अब सूरजपुर में प्रभारी डीपीएम बनकर बैठे डॉक्टर जिसकी डिग्री भी फर्जी है यह आरोप लगाया गया है ने स्वास्थ्य मंत्री को समाचार पत्र के विरुद्ध खड़ा किया है और ऐसा केवल इसलिए जिससे उसका भ्रष्टाचार उजागर होने से रोका जा सके।

### प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के सामने अब प्रदेश का पूरा सचिवालय साथ ही सभी मंत्री विधायक भी नतमस्तक हैं?

स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बने डॉक्टर साथ ही प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की डिग्री फर्जी है। यह भी उसके विरुद्ध आरोप है,वहीं उसका नर्सिंग कॉलेज कोरिया जिले में संचालित है,जो नर्सिंग कॉलेज नियमों के विरुद्ध या बिना मानक संचालित है, जहां आवश्यक सुविधा साथ ही व्यवस्था का अभाव है और जिसकी शिकायत के बाद भी जांच इसलिए नहीं हो पा रही है...क्योंकि चाचा उनके खुद मंत्री हैं,वह भी स्वास्थ्य मंत्री। अब यह विषय सवालों के माध्यम से भी खड़ा हो रहा है कि क्या सच में स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के विरुद्ध... कार्यवाही करने की किसी में भी हिम्मत नहीं है...वह भी उन मामलों में भी नहीं...जो कांग्रेस शासनकाल के भ्रष्टाचार के मामले हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर...जिसके विरुद्ध जांच चाहेंगे या कार्यवाही...वह होकर रहेगी। यह भी वह खुद दावा करते हैं तत्काल होगा। कुल मिलाकर देखा जाए,तो प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के सामने अब प्रदेश का पूरा सचिवालय,साथ ही सभी मंत्री विधायक भी नतमस्तक हैं,जो इस आधार पर कहा जा सकता है कि उनके विरुद्ध खबर लिखने पर समाचार-पत्र पर ही कार्यवाही हो रही है जबकि कार्यवाही उनके विरुद्ध होनी थी। प्रभारी डीपीएम और स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को लेकर क्रमशः एक की फर्जी डिग्री की शिकायत है,वहीं उसके भ्रष्टाचार का मामला है। वहीं दूसरे का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है यह आरोप है जिसके आधार पर उसकी नौकरी है,मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी गुमराह किया जा रहा है क्योंकि शायद ही प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार बर्दाश्त करेंगे, साथ ही शायद ही वह किसी के फर्जी प्रमाण -पत्र के आधार पर नौकरी को ऐसे ही जाने देंगे और प्रदेश के अन्य दिव्यांग का हक किसी ऐसे के हिस्से जाने देंगे जो उसके हिस्से का हक न हो। प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की बातों को माने तो जो वह लोगों से बोलते फिरते हैं तो यह कहा जा सकता है कि वह भ्रष्टाचार के लिए अधिकृत हैं वहीं उनके विरुद्ध कार्यवाही इसलिए नहीं होगी क्योंकि वह स्वास्थ्य मंत्री के ही भतीजे हैं।

घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, मंगलवार 09 जुलाई 2024 | 2

संपादकीय

क्या समाचार अब पूछकर किया जायेगा प्रकाशित...क्या अब अभिव्यक्ति की आजादी पर भी छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री लगाएंगे रोक?

» क्या स्वास्थ्य मंत्री की वजह से प्रदेश में पत्रकारिता अब निष्पक्ष नहीं रह जायेगी...?
» क्या स्वास्थ्य मंत्री खबरों के लिए सेंसर जैसी संस्था बैठायेगें...?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

कौन सी खबर प्रकाशित करें स्वास्थ्य मंत्री जी? क्या प्रकाशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ,क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

### अब ऐसी कौन सी ताकत है जिसके आगे मुख्यमंत्री भी नतमस्तक हैं पूरा विभाग नतमस्तक है यह बड़ा सवाल है?

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अब यह कहा जा सकता है कि जब सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम को जिसकी डिग्री फर्जी होने का आरोप है शिकायत की गई है,जिसके ऊपर नर्सिंग कॉलेज बिना मान्यता शर्त के पालन किए संचालित किए जाने का आरोप है, वहीं जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के भी आरोप है। यदि ऐसे लोग स्वास्थ्य विभाग में प्रभारी डीपीएम जैसे पद पर बने रहेंगे निश्चित ही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर प्रश्न खड़े होंगे और वहीं कहीं न कहीं इसका असर प्रदेश स्तर पर भाजपा पर पार्टी पर सरकार पर पड़ेगा ही वहीं केंद्र की भाजपा सरकार और पार्टी पर भी पड़ेगा। प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के संदर्भ में देखा जाए तो यह कहना गलत नहीं होगा कि वह जिसके विरुद्ध चाहेंगे...कार्यवाही होगी,जैसा वह खुद कहते फिरते हैं ,वहीं उनके विरुद्ध खुद मुख्यमंत्री भी कार्यवाही की अनुशंसा नहीं कर सकेंगे क्योंकि उनकी पहुंच ऊंची है। अब ऐसी कौन सी ताकत है जिसके आगे मुख्यमंत्री भी नतमस्तक हैं पूरा विभाग नतमस्तक है यह बड़ा सवाल है। प्रभारी डीपीएम सूरजपुर आज की स्थिति में देखा जाए तो स्वास्थ्य विभाग में वह नाम है जो जैसा चाहेंगे वैसा होगा और वह जहां चाहेंगे वहां उनकी पोस्टिंग होगी जैसे देखने को भी मिला है कि कोरिया जिले में कांग्रेस शासनकाल में उन्होंने जमकर भ्रष्टाचार किया और अब सत्ता बदलते ही जब जांच और कार्यवाही की बात समाने आई, उन्होंने सूरजपुर जिले में अपना अड्डा जमा लिया और जहां उन्हे दिक्कत न हो इसका भी इंतजाम उन्होने कर लिया।

### भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने सहित फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी करने वालों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे...भले ही समाचार-पत्र को ही क्यों न कुचलना पड़े?

क्या प्रेस की स्वतंत्रता अब छत्तीसगढ़ में बाधित कर दी गई है, क्या अब प्रदेश में सत्य का प्रकाशन वर्जित है। क्या प्रदेश के विष्णु देव साय सरकार में अब प्रेस निष्पक्षता के साथ सरकार की कमियां नहीं दिखा पाएंगे और यदि वह कमियां दिखाएंगे तो उन्हे कुचलने का काम किया जायेगा? ऐसा ही कुछ प्रदेश में वर्तमान में देखने को मिल रहा है जहां प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के भ्रष्टाचार की पोल खोलने और स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर गलत तरीके से नौकरी हथियाने के मामले को समाचार के माध्यम से उजागर करने पर दैनिक घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन को स्वास्थ्य मंत्री के मौखिक निर्देश पर बंद कर दिया गया वहीं इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री का मुख्यमंत्री पर इस तरह का दबाव है कि मुख्यमंत्री भी उनके सामने नतमस्तक हैं और वह प्रेस की समाचार-पत्र की आजादी को बहाल नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री मामले में हावी हैं सरकार पर और सरकार सहित पार्टी की छवि कितनी भी खराब क्यों न हो जाए वह अपने भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर और अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के गलत दस्तावेजों दिव्यांग प्रमाण-पत्रों सहित अहर्ता प्रमाण-पत्रों सहित भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्यवाही नहीं होने देंगे उन्हे बचाएंगे भी। साथ ही वह इस विषय में सच प्रकाशित करने वाले समाचार-पत्र को भी कुचलने का काम करेंगे यह उनकी तरफ से स्पष्ट कर दिया गया है। कुल मिलाकर देखा जाए तो प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार में भी अब सच का प्रकाशन वर्जित ही होगा ऐसा स्पष्ट हो गया है और इसका जिम्मा सरकार ने स्वास्थ्य मंत्री को दे दिया है जो भ्रष्टाचारियों को बचाने उन्हे संरक्षण देने सहित फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी करने वालों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे और उनके कारण भले ही उन्हे समाचार पत्र को ही क्यों न कुचलना पड़े वह तैयार रहेंगे।

### दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र को कुचलने का प्रयास

वैसे स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर पर केवल भ्रष्टाचार के ही आरोप नहीं है वह भी फर्जी अहर्ता के साथ नौकरी कर रहे हैं यह भी उनके ऊपर आरोप है और जिसकी जांच इसलिए अच्छे से नहीं हो रही है क्योंकि वह स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे हैं, वहीं उसका नर्सिंग कॉलेज भी कोरिया जिले में संचालित है और जिसमे भी कई कमियां हैं और तब भी वह संचालित है और शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री के संबंध में और उनसे सीधा जुड़ाव रखने वालों के संबंध में जब खबर का प्रकाशन आरंभ किया गया तबसे ही दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र को कुचलने का प्रयास जारी किया गया और जिसमे स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका सामने आई क्योंकि उनकी ही छवि धूमिल हो रही थी। अब जिस तरह निष्पक्ष और सत्य प्रकाशन का काम दैनिक घटती-घटना कर रहा था उसे रोकना और उसकी स्वतंत्रता को बाधित करना यह बतलाता है की आलोचना सुनने को कतई तैयार नहीं है प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार। वैसे मुख्यमंत्री को लेकर यह भी बताया जा रहा है की उनकी सरकार में उतनी नहीं चलती जितनी स्वास्थ्य मंत्री की चलती है और इसीलिए स्वास्थ्य मंत्री समाचार-पत्र के मामले में भी निर्णय ले रहे हैं जबकि वह उनका विभाग ही नहीं है और तब भी उन्ही की वहां सुनवाई है।

### क्या दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र को दबाने के लिए कार्यालय पर चलवाएंगे बुलडोजर?

दैनिक घटती-घटना के तो कार्यालय और प्रकाशन स्थल को ही उक्त संविदा अधिकारी नेस्तनाबूत करने का बात कहता फिरता है। बता दें कि किसी प्रेस भवन या प्रकाशन कार्यालय को जमींदोज करने की बात अब तक कभी नही हुई लेकिन अब एक संविदा अधिकारी जो स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है वह ऐसा करने की बात कहता है। वैसे अच्छा ही है, प्रदेश में यदि आगे से भाजपा की सरकार वापसी नहीं कर पाई तो इसका श्रेय ऐसे ही भतीजों को जायेगा जो अपना घर भरने के लिए, पार्टी की लुटिया चाचा के साथ मिलकर डूबा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री भी भतीजे से मोह में हैं वहीं वह मुख्यमंत्री को भी निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान नहीं कर रहे हैं जो निर्णय मुख्यमंत्री का होना चाहिए प्रेस मामले का उसे स्वास्थ्य मंत्री ले रहे हैं जिससे समझा जा सकता है की कितने मजबूर हैं मुख्यमंत्री भी... खैर अब दैनिक घटती-घटना को भी इंतजार है.. स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के वार का... क्योंकि उसने अब एक तरह से चेतावनी जारी कर दी है की सरकार किसी की हो उसके भ्रष्टाचार को उजागर करना महंगा पड़ने वाला है ...किसी को भी वहीं जिसकी भी सरकार होगी वह किसी न किसी का भतीजा बनकर स्वास्थ्य व्यवस्था को दीमक की तरह चट्ट करना नहीं छोड़ेगा... वहीं वह अपने परिवार के लिए यहीं से सुख सुविधा ढूंढेगा...जो उसे दूसरों को दुख देकर उनका हक छीनकर मिल सकेगा।

घटती घटना | कोरबा-कोरिया-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,बुधवार 20 मार्च 2024 | 6

पूर्व प्रभारी डीपीएम अपने खिलाफ हो रही जांच में पाए जाएंगे पाक-साफ, क्योंकि घंटों जांच अधिकारी के साथ बैठकर जांच को अपने पक्ष में कराने में है जुटे:सूत्र

घटती घटना | कोरिया-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 02 मार्च 2024 | 6

राज्य सरकार ने जारी नहीं किया था डीपीएम का आदेश...कांग्रेस सरकार के आदेश का क्या हुआ?

घटती घटना | खुला पत्र

क्या विष्णु देव साय सरकार में भी पत्रकारों को सरकार की कमियां दिखाना होगा वर्जित?

घटती घटना | अम्बिकापुर, मंगलवार 09 जुलाई 2024 | 8

खुला पत्र

क्या स्वास्थ्य मंत्री की कुर्सी जाएगी या आरएसएस के होने का मिलेगा फायदा?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...

**घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...**

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)